'India Property Insider' debuts in UAE, ties-up with GN Media to target Indian Diaspora

Publication: Jan Hitaushi; **Date:** 11 Apr 2015; **Edition:** Ahmedabad;
Reporter: Bureau
Circulation: 10,000; **Total Area:** 134.82 sq cm; **Page No.:** 3

इंडिया प्रॉपर्टी इनसाइडर' ने यूएई में कदम रखा, भारतीय अप्रवासियों तक पहुंच बनाने के लिए जीएन मीडिया के साथ किया गठबंधन

अहमदाबाद : यंग मीडिया, एक मशहूर मीडिया एवं प्रकाशन हाउस ने यूएई में अपने महत्वाकांक्षी मैगलॉयड 'इंडिया प्रॉपर्टी इनसाइडर' को लॉन्च कर भारतीय समुदाय तक पहुंच बनाने का प्रयास किया है। इस मैगलॉयड को गल्फ न्यूज डेली के सहयोग से लॉन्च किया गया है। टैबलॉयड फॉर्मेट में पेश की गई इस मैगलॉयड-मैगजीन का उद्देश्य यूएई में भारतीय अप्रवासियों को 'नीड टु नो' और 'नाइस टु नो' के साथ भारत में रीयल एस्टेट क्षेत्र के विषय में सूचित करना है। यह मैगलॉयड सूचनाप्रद, प्रोत्साहक और व्याख्यात्मक होगा और अपने वतन में एक घर खरीदने की चाहत रखने वाले एनआरआइ की भावनाओं और तर्कसंगत विवेक को संतुष्ट करने का प्रयास करेगा।

इस नये उपक्रम के विषय में यंग मीडिया के संस्थापक एवं निदेशक श्री विल्फ्रेड फर्नांडीज ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा, "खाड़ी देशों में निवास कर रहे एनआरआइ समुदाय में लंबे समय से एक ऐसी पत्रिका की जरूरत महसूस की जा रही थी, जिसके द्वारा भारतीय रीयल एस्टेट क्षेत्र पर नियमित अपडेट एवं परामर्श की पेशकश की जाती हो। इस पत्रिका को खासतौर से एनआरआइ समुदाय के लिए तैयार करने की आवश्यकता थी। हमें महसूस हुआ कि इंडिया प्रॉपर्टी इनसाइडर एनआरआइ को सशक्त बनाने के लिए परफेक्ट पत्रिका है। इससे वे भारत में रीयल एस्टेट में निवेश करने के दौरान सुविज्ञ निर्णय लेने में सक्षम होंगे।"

यही नहीं, इस उपक्रम संबंधी लॉन्च पर श्री संजय मलिक, ग्रुप सर्कुलेशन मैनेजर, जीएन मीडिया ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा, "भारतीय स्वभाव से मेहनती होते हैं और उनमें बचत करने की आदत होती है। खासतौर से यह बात गल्फ में रहने वाले भारतीयों पर बिल्कुल सच बैठती है। साथ ही, घर से दूर रहने के कारण, उनमें पैसा बचाने और निवेश करने तथा संपदा खरीदने की प्रबल इच्छा होती है, जोकि आने वाले वर्षों में बेहतर लाभ प्रदान करेगी। रीयल एस्टेट एकमात्र संपदा है जो सर्वाधिक मूल्य वर्धि प्रदान करती है। इससे एनआरआइ को एक घर खरीदने तथा अपनी मातृभूमि से जुड़े रहने का भी मौका मिलता है।"